Series QP5RS/5

SET-2

प्रश्न–पत्र कोड **29/5/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं - **खंड-'अ'** और **'ब'** । **खण्ड-'अ'** में **40** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी **40** उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iii) ***खण्ड-'ब'** में 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

(अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

(i) जनसंचार माध्यम आपस में एक दूसरे के

(A) प्रतिद्वंद्वी हैं । (B) पूरक और सहयोगी हैं ।

(C) विरोधी हैं । (D) विपरीत हैं ।

(ii) इण्टरनेट पत्रकारिता का लाभ गरीबों/अनपढ़ों को नहीं मिल सकता –

(A) अश्लीलता फैलाने के कारण (B) धन और कौशल की ज़रूरत के कारण

(C) धन की ज़रूरत के कारण (D) मशीनी ज़रूरत के कारण

(iii) उलटा पिरामिड शैली के समाचार लेखन की मानक शैली बनने का कारण है –

(A) लेखन और संपादन की सुविधा होना ।

(B) तकनीकी दृष्टि से सुलभ होना ।

(C) सस्ती, सुलभ और नियमित सेवा होना ।

(D) ख़बरों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करना ।

(iv) किसी ख़बर का घटना स्थल से प्रत्यक्ष प्रसारण कहलाता है –

(A) ब्रेकिंग न्यूज (B) लाइव

(C) फोन इन (D) एंकर बाइट

(v) मोहित के पास न केवल विषय विशेष का ज्ञान है बल्कि उनमें संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य और साहस का गुण भी है । उनकी योग्यता और गुणों को देखकर लिखिए कि अख़बार के लिए वे पत्रकारीय लेखन का कौन सा प्रकार लिखते या देखते होंगे ?

(A) संपादकीय (B) साक्षात्कार

(C) स्तंभ लेखन (D) खोजी रिपोर्ट

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **8 × 1 = 8**

संशय –
इस भाव को मिटा दो
रोशनी जल उठेगी
तुममें निर्भय ।
पीठ पर रखा छुरा
लगेगा प्रोत्साहन का स्पर्श
और तुम बिजली की तरह
आगे बढ़ जाओगे अक्षय ।
उस आँख में देखो अपनी आँख
लौ तेज़ होगी बनेगी एक दृष्टिलय
उस हाथ में रख दो अपना हाथ
सेतु निर्मित होगा मिटेगा प्रलय ।
विपत्ति में तुम अकेले नहीं हो,
असंख्य सोते कुलबुलाते हैं
चट्टानों में
मिलकर एक धारा बनने को,
इसे पहचानो
राह निकलेगी निश्चय ।

(i) पद्यांश का मुख्य भाव क्या है ?

(A) संशय की स्थिति में आगे की राह नहीं मिलेगी ।

(B) संशय रहित होने पर ही आगे बढ़ने की राह निकलेगी ।

(C) संदेह की स्थिति में विनाश की ओर कदम बढ़ेंगे ।

(D) पौरुष का आश्रय कभी निरर्थक नहीं जाएगा ।

(ii) संदेह की स्थिति नहीं रहने पर –

(A) व्यक्ति भयाक्रांत रहता है ।

(B) उसके सामने चतुर्दिक अंधकार होता है ।

(C) प्रकाश की किरणें जल उठती हैं ।

(D) व्यक्ति दुखी रहता है ।

(iii) 'प्रोत्साहन का स्पर्श' का अर्थ है –

(A) उत्साहहीन हो जाने की शंका

(B) मन में उदासीनता का भाव

(C) आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा

(D) बाधाओं से पूर्ण मार्ग का अवलोकन

(iv) कवि ने किस हाथ में अपना हाथ रखने को कहा है ?

(A) बाएँ हाथ पर दाहिना हाथ

(B) प्रेरणा देने वाले के हाथ में

(C) अनुत्साहित करने वाले के हाथ में

(D) पीछे की ओर खींचने वाले के हाथ में

(v) दो आँखों की दृष्टि मिलने पर क्या स्थिति होगी ?

(A) समन्वित शक्ति से प्रकाश की तीव्रता

(B) एक आँख की दृष्टि में हीनता

(C) लक्ष्य की ओर दृष्टिपात का अभाव

(D) लक्ष्यभ्रष्ट होकर दृष्टिक्षीणता

(vi) 'उस आँख' का तात्पर्य है –

(A) शत्रु की आँखें

(B) अनुत्साहित करने वालों की नज़र

(C) संकटों की दृष्टि

(D) अदृश्य प्रेरणा शक्ति

(vii) सेतु निर्माण से किस लाभ की ओर संकेत है ?

(A) निराशा और हताशा की वृद्धि

(B) प्रलय (विनाश) की स्थिति का अंत

(C) आगे बढ़ने में रुकावट

(D) आगे बढ़ने का उत्साह

(viii) पद्यांश में प्रयुक्त पंक्ति 'असंख्य सोते कुलबुलाते हैं' में 'सोते' प्रतीकार्थ है –

(A) पानी के स्रोतों का

(B) कीड़े-मकोड़ों का

(C) रेंगने वाले जीवों का

(D) असंतुष्ट मनुष्यों का

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

सत्य ! कितना भोला-भाला, कितना सीधा-सादा, जो कुछ अपनी आँखों से देखा, बखान कर दिया, जो कुछ जाना बिना नमक-मिर्च लगाये बोल दिया । यही तो सत्य है न ! इतना सरल । सत्य सृष्टि का प्रतिबिम्ब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है । सत्यवादिता के लिए केवल निष्कपट मन चाहिए । एक झूठ के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं, झूठ की लंबी शृंखला मन में बैठानी पड़ती है और कहीं तारतम्य न बैठा, पोल खुली तो अविश्वास का आघात सहना पड़ता है । अवमानना का कड़ुआ घूँट पीना पड़ता है । हाँ, सत्य बोलने और करने में भी किसी का अकारण अहित करने का उद्देश्य नहीं होना चाहिए ।

संसार में जितने महान् व्यक्ति हुए हैं, सबने सत्य का सहारा लिया है – सत्य की उपासना की है । 'चन्द्र टरै सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार' के उद्घोषक राजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठा जगद्विख्यात है । यह ठीक है कि उन्हें सत्य के मार्ग पर चलने में अनेक कठिनाइयों के दलदल में फँसना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज चाँद की चाँदनी और सूरज की रोशनी से कम प्रकाशपूर्ण नहीं है । राजा दशरथ ने सत्यवचन निर्वाह के लिए अपना प्राणोत्सर्ग तक किया । महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन की जड़ काट दी । उनका कथन है – सत्य एक विशाल वृक्ष है, उसकी ज्यों-ज्यों सेवा की जाती है, त्यों-त्यों उसमें अनेक फल आते हुए नजर आते हैं । उनका अन्त नहीं होता । वस्तुत:, सत्यभाषण और सत्यपालन के अमित फल होते हैं । सत्य बोलने का अभ्यास बचपन से ही डालना चाहिए ।

झूठ बोलने वालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है । उनकी उपेक्षा सर्वत्र होती है । उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं । कभी–कभी तो उन्हें अपनी बेशकीमती ज़िंदगी से भी हाथ धोना पड़ता है ।

सत्य की महिमा अपार है । सत्य महान् और परम शक्तिशाली है । संस्कृत की सूक्तियाँ हैं – 'सत्यमेव जयते नानृतम् – नहि सत्यात् परो धर्मः' – सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं – तथा 'सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है ।' सत्य की एक चिनगारी से असत्य के फ़ूस का अम्बार एक क्षण में भस्मसात् हो जाता है ।

(i) सत्य को उसी रूप में प्रस्तुत करने में कौन सी इन्द्रिय सहयोग करती है ?

(A) नाक (B) कान

(C) आँख (D) मुख

(ii) सत्यवादी होने के लिए मानव में होना चाहिए –

(A) दयालुता (B) परोपकारिता

(C) सहिष्णुता (D) निष्कपटता

(iii) गद्यांश में आए 'तारतम्य' का अर्थ है –

(A) ताँबे का तार (B) जोड़मेल

(C) तत्परता (D) तीरकमान

(iv) झूठी बात पकड़ में आ जाने पर क्या परिणाम होता है ?

(A) बदनामी और दुर्व्यवहार (B) प्रहार और आघात

(C) अविश्वास और अपमान (D) दुष्प्रचार और कलंक

(v) गद्यांश के अनुसार सत्य बोलने वाला किसी का –

(A) हित नहीं करता । (B) उपकार नहीं करता ।

(C) उद्धार नहीं करता । (D) अहित नहीं करता ।

(vi) राजा हरिश्चंद्र के यश की तुलना किससे की गई है ?

(A) रात और आसमान की जगमगाहट से ।

(B) चाँद और सूरज के प्रकाश से ।

(C) कठिनाइयों और परेशानियों के दलदल से ।

(D) अंतरिक्ष में चमकने वाले प्रकाश पुंजों से ।

(vii) गद्‌यांश के संदर्भ में बिना नमक-मिर्च लगाए बोलने से आशय है –

(A) जैसे का तैसा न कहना ।

(B) बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना ।

(C) सहज-सरल भाषा में वर्णन करना ।

(D) स्पष्ट शब्दों में सत्य का उल्लेख करना ।

(viii) सत्यपालन की दीर्घकालीन प्रक्रिया से अमित फल प्राप्त होते हैं । अतः –

(A) जन्म से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(B) युवावस्था में सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(C) बचपन से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(D) प्रौढ़ावस्था से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(ix) गद्‌यांश में दशरथ, हरिश्चंद्र और महात्मा गांधी का उदाहरण दिया गया है –

(A) सत्य का परिचय देने के लिए ।

(B) झूठ के दुष्परिणाम बताने के लिए ।

(C) सत्य की महिमा बताने के लिए ।

(D) सत्य के मार्ग का अनुसरण करने के लिए ।

(x) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए तथा उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : झूठ बोलने वाले की उन्नति के सभी द्‌वार बंद हो जाते हैं ।

कारण : लोगों का उन पर से विश्वास उठने के कारण सर्वत्र उनकी उपेक्षा होती है ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

तोड़ो तोड़ो तोड़ो

ये ऊसर बंजर तोड़ो

ये चरती परती तोड़ों

सब खेत बनाकर छोड़ो

मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को

हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को

गोड़ो गोड़ो गोड़ो

(i) काव्यांश में 'चरती परती' शब्द का क्या अर्थ है ?

(A) उपजाऊ ज़मीन

(B) ऊसर ज़मीन

(C) चरागाह के लिए छोड़ी गई ज़मीन

(D) मकान बनाने वाली ज़मीन

(ii) काव्यांश में मिट्टी के रस का क्या गुण बताया गया है ?

(A) अनाज के बीज को निगल जाना ।

(B) बीज को सहारा देना ।

(C) बीज को गला देना ।

(D) बीज का पोषण करना ।

(iii) 'मन की खीज' से कवि का क्या आशय है ?

(A) मन की ईर्ष्या (B) मन की झुंझलाहट

(C) मन का अहंकार (D) मन का आलस्य

(iv) मन की खीज हटाकर कवि क्या करना चाहता है ?

(A) सृजन कार्य (B) गीत गायन

(C) प्रायश्चित्त (D) तीर्थाटन

(v) खेतों की गुड़ाई करने पर क्या होगा ?

(A) हल चलाना आसान हो जाएगा ।

(B) बीज बोना आसान हो जाएगा ।

(C) खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ जाएगी ।

(D) खेतों की सिंचाई करना आसान हो जाएगा ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **7 × 1 = 7**

(i) सूरदास पोटली में रखे पैसों से क्या करना चाहता था ?

(A) झोंपड़ी की मरम्मत (B) कपड़े खरीदना

(C) तीर्थाटन (D) पूर्वजों का पिंड दान

(ii) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी में आग क्यों लगाई ?

(A) सूरदास को बेघर करने की इच्छा से ।

(B) सूरदास की जमा पूँजी लेने की इच्छा से ।

(C) सूरदास से ईर्ष्या होने के कारण ।

(D) अपमान और बदनामी का बदला लेने की इच्छा से ।

(iii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने किस शास्त्रीय गायक/गायिका का नाम लिया है ?

(A) पं. भीमसेन जोशी (B) विष्णु दिगंबर पलुस्कर

(C) सितारा देवी (D) बड़े गुलाम अली खाँ

(iv) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में साँप, महामारी, देवी, चुड़ैल आदि का संबंध किससे जोड़ा जाता है ?

(A) चैत की चाँदनी
(B) फूलों की गंध
(C) नीम के फूल-पत्ते
(D) चाँदनी रात की बरसात

(v) 'बिस्कोहर की माटी' में कमल के पत्ते को कहा गया है –

(A) कोइयाँ
(B) पुरइन
(C) कुमुद
(D) कोका बेली

(vi) 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर 'हाथीपाला' नामकरण का कारण/आधार है –

(A) नदी पार करने के लिए हाथी पर बैठना ।
(B) नदी के किनारे हाथियों का पाला जाना ।
(C) नदी पार करते समय हाथियों का डर ।
(D) नदी किनारे के जंगलों में हाथियों का पाया जाना ।

(vii) छप्पन के काल में मालवा के लोगों द्वारा भूख-प्यास का सामना कर पाने का कारण था –

(A) उनकी इच्छाशक्ति का दृढ़ होना ।
(B) अपने जल-स्रोतों का संरक्षण करना ।
(C) एकजुट होकर विपत्ति का सामना करना ।
(D) सरकारी सहायता का समय पर पहुँचना ।

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

कुटज क्या केवल जी रहा है । वह दूसरे के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति के लिए अफ़सरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अवमानित करने के लिए ग्रहों की खुशामद नहीं करता । आत्मोन्नति हेतु नीलम नहीं धारण करता, अंगूठियों की लड़ी नहीं पहनता, दाँत नहीं निपोरता, बगलें नहीं झाँकता । जीता है और शान से जीता है, काहे वास्ते, किस उद्देश्य से ? कोई नहीं जानता । मगर कुछ बड़ी बात है । स्वार्थ के दायरे से बाहर की बात है । भीष्म पितामह की भाँति अवधूत की भाषा में कह रहा है 'चाहे सुख हो या दुःख, प्रिय हो या अप्रिय', जो मिल जाय उसे शान के साथ हृदय से बिलकुल अपराजित होकर, सोल्लास ग्रहण करो । हार मत मानो ।

(i) गद्यांश में लेखक ने उजागर किया है –

(A) कुटज की भिक्षावृत्ति को
(B) कुटज के स्वाभिमान को
(C) कुटज के स्वार्थ को
(D) कुटज की चाटुकारिता को

(ii) 'अवधूत' शब्द का अर्थ है –

(A) धूनी रमाने वाला
(B) धुआँ पीने वाला
(C) विरक्त संन्यासी
(D) सिद्ध महात्मा

(iii) 'दाँत निपोरना' मुहावरे का क्या अर्थ है ?

(A) दाँत चमकाना
(B) खुशामद करना
(C) दाँत गड़ाना
(D) दाँत दिखाना

(iv) गद्यांश में भीष्म पितामह की तुलना किससे की गई है ?

(A) शान्तिदूत से
(B) देवदूत से
(C) अवधूत से
(D) मेघदूत से

(v) 'कुटज क्या केवल जी रहा है' – का आशय क्या है ?

(A) कुटज जैसे-तैसे अपना जीवनयापन कर रहा है ।
(B) कुटज इच्छा नहीं होते हुए भी विवश होकर जी रहा है ।
(C) कुटज दुःखी और हारे मन से जी रहा है ।
(D) कुटज शान से स्वाभिमानपूर्वक जी रहा है ।

खंड – ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित **तीन** शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **5**

   (क) नींव की ईंट

   (ख) जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन

   (ग) अंतर अनेक, पर हम एक

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

   (क) अच्छे पत्रकारीय लेखन के लिए ध्यान देने योग्य बातों का उल्लेख कीजिए ।

   (ख) समाचार और फ़ीचर में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

   (क) कविता रचना में किन घटकों का महत्त्व होता है ?

   (ख) नाटक में संवाद की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण दर्शकों तक आसानी से उन्हें संप्रेषित किया जा सकता है ।

   (ग) कहानी में किन तत्त्वों का महत्त्व होता है ?

10. पद्‌य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

   (क) 'बनारस' कविता के आधार पर लिखिए कि शहर में वसंत आगमन से दशाश्वमेध घाट पर बैठे याचकों के कटोरों में चमक क्यों आ जाती है ?

   (ख) 'भरत-राम का प्रेम' कविता में भरत द्‌वारा राम के स्वभाव की किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

   (ग) 'लागौं कंत छार जेऊँ तोरें' पंक्ति के संदर्भ में रानी नागमती के विरह-दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

11. गद्‌य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'घड़ी के पुर्जे' पाठ में धर्म के किन रहस्यों को बताया गया है ?

(ख) 'प्रेमघन की छाया-स्मृति' पाठ में लेखक के द्‌वारा अपने पिता के विषय में क्या बताया गया है ?

(ग) पाठ के आधार पर लिखिए कि संवदिया के साथ लोगों का कैसा व्यवहार होता था ?

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास ।
हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।।
एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए ।
सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।
मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल ।
गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।
विद्यापति कवि गाओल रे धनि धरु मन आस ।
आओत तोर मन भावन रे एहि कातिक मास ।। **6**

अथवा

(ख) माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, "वह शकुंतला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला ।"
कुछ दिन रह गृह तू फिर समोद,
बैठी नानी की स्नेह-गोद ।
मामा-मामी का रहा प्यार,
भर जलद धरा को ज्यों अपार;
वे ही सुख-दुख में रहे न्यस्त,
तेरे हित सदा समस्त, व्यस्त;
वह लता वहीं की, जहाँ कली
तू खिली, स्नेह से हिली, पली,
अंत भी उसी गोद में शरण
ली, मूँदे दृग पर महावरण ! **6**

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज़ देखता था । दफ़्तर जाती भीड़, खरीद-फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़ लेकिन इस भीड़ का अंदाज निराला था । इस भीड़ में एकसूत्रता थी । न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का, महत्त्व उद्‌देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना । इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और भी अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था बल्कि स्नान से ज्यादा समय ध्यान ले रहा था । दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था । उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अंदर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है । **6**

अथवा

(ख) मैं सेवाग्राम में लगभग तीन सप्ताह तक रहा । अक्सर ही प्रात: उस टोली के साथ हो लेता । शाम को प्रार्थना सभा में जा पहुँचता, जहाँ सभी आश्रमवासी तथा कस्तूरबा एक ओर को पालथी मारे और दोनों हाथ गोद में रखे बैठी होती और बिलकुल मेरी माँ जैसी लगती । उन दिनों एक जापानी 'भिक्षु' अपने चीवर वस्त्रों में गांधीजी के आश्रम की प्रदक्षिणा करता । लगभग मील भर के घेरे में बार-बार अपना 'गाँग' बजाता हुआ आगे बढ़ता जाता । गाँग की आवाज़ हमें दिन में अनेक बार कभी एक ओर से तो कभी दूसरी ओर से सुनाई देती रहती । उसकी प्रदक्षिणा प्रार्थना के वक्त समाप्त होती, जब वह प्रार्थना स्थल पर पहुँचकर बड़े आदर-भाव से गांधीजी को प्रणाम करता और एक ओर को बैठ जाता । **6**

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए :

(क) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ से साँपों के विषय में क्या जानकारी मिलती है ? इस जानकारी में किन अंधविश्वासों का उल्लेख है ? स्पष्ट कीजिए । **3**

अथवा

(ख) झोंपड़ी जलने के कारण सूरदास अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यों रखना चाहता था ? **3**

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/5/1--3)**

Series QP5RS/5

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/5/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series QP5RS/5

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/5/1 प्रश्न सं.	29/5/2 प्रश्न सं.	29/5/3 प्रश्न सं.		
1	1	3	2	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) मुख (ii) (D) निष्कपटता (iii) (B) जोड़मेल (iv) (C) अविश्वास और अपमान (v) (D) अहित नहीं करता। (vi) (B) चाँद और सूरज के प्रकाश से। (vii) (D) स्पष्ट शब्दों में सत्य का उल्लेख करना। (viii) (C) बचपन से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए। (ix) (D) सत्य के मार्ग का अनुसरण करने के लिए। (x) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	**10 x 1=10**

2	2	2	1	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) संशय रहित होने पर ही आगे बढ़ने की राह निकलेगी। (ii) (C) प्रकाश की किरणें जल उठती हैं। (iii) (C) आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा (iv) (B) प्रेरणा देने वाले के हाथ में (v) (A) समन्वित शक्ति से प्रकाश की तीव्रता (vi) (D) अदृश्य प्रेरणा शक्ति (vii) (B) प्रलय (विनाश) की स्थिति का अंत (viii) (D) असंतुष्ट मनुष्यों का	**8 x 1=8**
3	3	1	3	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) पूरक और सहयोगी हैं। (ii) (B) धन और कौशल की ज़रूरत के कारण (iii) (A) लेखन और संपादन की सुविधा होना। (iv) (B) लाइव (v) (B) साक्षात्कार	**5 x 1=5**
4	4	4	4	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) चरागाह के लिए छोड़ी गई जमीन (ii) (D) बीज का पोषण करना। (iii) (B) मन की झुंझलाहट (iv) (A) सृजन कार्य (v) (C) खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ जाएगी।	**5 x 1=5**
5	5	6	5	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) कुटज के स्वाभिमान को (ii) (C) विरक्त संन्यासी (iii) (B) खुशामद करना (iv) (C) अवधूत से (v) (D) कुटज शान से स्वाभिमानपूर्वक जी रहा है।	**5 x 1=5**
6	6	5	6	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) पूर्वजों का पिंड दान	**7 x 1=7**

				(ii) (D) अपमान और बदनामी का बदला लेने की इच्छा से। (iii) (D) बड़े गुलाम अली खाँ (iv) (B) फूलों की गंध (v) (B) पुरइन (vi) (A) नदी पार करने के लिए हाथी पर बैठना। (vii) (B) अपने जल-स्रोतों का संरक्षण करना।	
7	7	7	7	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**8**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) • भाषा का सम्यक् ज्ञान/प्रयोग • उचित शब्द-विन्यास • प्रचलित एवं सहज भाषा-शैली का प्रयोग • संकेतों या चिह्नों का प्रयोग • बिंब और छंद का अनुशासन • समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियों की जानकारी • नवीन दृष्टि या प्रतिभा (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ख)• संवाद संक्षिप्त, स्वाभाविक तथा सांकेतिक • संवाद क्रियात्मकता से पूर्ण /दृश्य बनाने की योग्यता से परिपूर्ण • शाब्दिक अर्थ से अधिक व्यंजनापूर्ण • शब्दों में ध्वन्यात्मकता • मौन तथा अंधकार अथवा ध्वनि से प्रभावित संवाद • पात्र एवम चरित्र के अनुकूल	**2 x 3=6**

				• परिवेश के अनुरूप (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ग) • कथानक • पात्र और चरित्र-चित्रण • संवाद • देशकाल और वातावरण • भाषा-शैली • उद्देश्य • द्वंद्व • चरमोत्कर्ष	
9	**9** **8**			**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क)• साफ-सुथरी टंकित प्रति • हाशिया छोड़कर ट्रिपल स्पेस में टंकित प्रति • पृष्ठ के अंत में कोई पंक्ति अधूरी न हो • कठिन शब्दों से बचाव • अंकों (आँकड़ों /संख्याओं) का लेखन शब्दों में • डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का सतर्कतापूर्ण प्रयोग (ख) (1+2) • उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली जिसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरम्भ में **क्यों--** • लेखन तथा संपादन की सुविधा के कारण • पाठकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए • मुख्य समाचार हेड लाइन में होने से (क)• सरल वाक्य-संरचना को प्राथमिकता • स्तरानुकूल सार्थक शब्दों का प्रयोग • पठन में अभिरुचि, समसामयिक जानकारी	**2 x 3=6**

- लेखन में विविधता हेतु मध्यम आकार के एवं कुछ बड़े वाक्यों, मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग
- अशुद्धियों और गैरज़रूरी बातों से बचाव
- लेखक का उद्देश्य भावनाओं, विचारों व तथ्यों को व्यक्त करना न कि दूसरों को प्रभावित करने का प्रयास करना
- विचारों में सुसम्बद्धता और तारतम्यता

(ख)
- समाचार में उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग, फीचर में प्राय: कथात्मक शैली का प्रयोग
- समाचार की भाषा में सपाट बयानी, फीचर की भाषा-सरल, रूपात्मक, आकर्षक
- समाचार में वस्तुनिष्ठता तथा शुद्धता, फीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग
- समाचार में शब्द सीमित, फीचर में असीमित
- समाचार में छह ककारों का प्रयोग, फीचर में आवश्यक नहीं

9

(क) (1+2)

- सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन होने के कारण अधिकांशतः कथात्मक शैली का प्रयोग

विशेषता--

- लेखक के पास अपनी राय, दृष्टिकोण और भावनाएँ दर्शाने का अवसर
- सरल, रूपात्मक, आकर्षक और सारगर्भित लेखन
- प्रारंभ, मध्य और अंत का एक सुगठित ढाँचा
- उद्देश्य के इर्द-गिर्द गुँथे हुए तथ्य, विचार और सूचनाएँ
- अतीत, वर्तमान और भविष्य से संबद्ध

(ख) (1+2)

- संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेखन-- अखबार की अपनी आवाज

महत्त्व--

				• इस लेख में संपादक और उसके सहयोगियों द्वारा विभिन्न घटनाओं और समाचारों पर राय • प्रमुख राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं पर वैचारिक टिप्पणी • संपादकीय किसी तात्कालिक विषय पर प्रमुख लेख	
10	10	10		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• भारत ऐसा देश जहाँ पर अनजान लोगों को भी सहारा • आतिथ्य सत्कार • परदुखकातरता • विश्वबंधुत्व की भावना (ख)• बनारस में वसंत का अचानक आगमन • लहरतारा और मडुआडीह की ओर से धूल का बवंडर उठना और शहर का धूल से भर जाना • पूरे वातावरण में उल्लास छा जाना • दशाश्वमेघ घाट के आखिरी पत्थर का कुछ और मुलायम हो जाना • बंदरों की आँखों में नमी और भिखारियों के कटोरों में आश्चर्यजनक चमक आना (ग)• 'पद्मावत' महाकाव्य का • चकवी --- चकवे से न मिल पाना कोयल --- दिन-रात विरह से व्यथित रहना मादा सारस --- पति का नाम रट- रट कर मर जाना (क)• भिखारियों के खाली कटोरों का दान में मिले पैसों से भर जाना • दीन-हीन जन का उमंग और उत्साह से भर जाना • आशा का संचार होना (ख)• भ्रातृत्व प्रेम से युक्त • अपराधी पर भी क्रोध न करना • विनम्र और शांत • सहृदय, समदर्शी	**2 x 2=4**

			10	(ग) • विरह के कारण अत्यंत दयनीय स्थिति • प्राकृतिक उपादानों के कारण विरह-वेदना उद्दीप्त हो जाना • राख बनकर भी प्रियतम के हृदय से लगने और मार्ग में बिछकर चरण-स्पर्श की इच्छा • सर्वस्व समर्पण का भाव (क)• विरह के कारण अत्यंत दयनीय स्थिति • प्राकृतिक उपादानों के कारण विरह-वेदना उद्दीप्त हो जाना • क्षीण हो जाने के कारण आभूषण भी न पहन पाना • विरह रूपी अग्नि का नागमती को जलाकर मानो अपने साथ उड़ाकर ले जाना (ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना • नष्ट होने के बोध से मुक्ति • जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता (ग))• पत्थर और चट्टान --सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ , संकुचित, संकीर्ण भावनाएँ • क्योंकि ये सभी सृजन के मार्ग में बाधक, विकास के लिए सृजन आवश्यक	
11	**11**		**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता—सरोज-स्मृति **अथवा** (ख) कवि –विद्यापति कविता—पद	**6**

		12		(क) कवि –विद्यापति कविता—पद **अथवा** (ख) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता—सरोज-स्मृति	
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• हिंदुस्तानी रईस • तीज-त्योहारों पर नाच-गाना • अदाओं से रियासतदारी टपकना • कन्धों तक लटकते बाल • बातचीत में विलक्षण-वक्रता • नौकरों के साथ मजाकिया व्यवहार (ख) मुक्त उत्तर (छात्रों द्वारा दिए गए उचित तर्क स्वीकार्य) (ग) "और कितना कड़ा करूँ दिल?... माँ से कहना, मैं भाई भाभियों की नौकरी करके पेट पालूँगी । बच्चों की जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी, लेकिन यहाँ अब नहीं... अब नहीं रह सकूँगी । ....कहना, यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएगी तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरुँगी।... बथुआ-साग खाकर कब तक जीऊँ? किसलिए... किसके लिए?"	**2 x 2=4**
		11		(क)• धर्म पर केवल धर्माचार्यों का ही अधिकार बने रहना • धर्मशास्त्र को अत्यंत गूढ़ बनाये रखना • आम आदमी का धर्म से सीधा संबंध नहीं (ख)• फारसी के अच्छे ज्ञाता • पुरानी हिन्दी कविता के प्रेमी	

			12	• फारसी कवियों की उक्तियों को हिन्दी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाना • भारतेंदु जी के नाटक बहुत प्रिय • घर के लोगों को 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' चित्ताकर्षक ढंग से पढ़कर सुनाना (ग)• उसे मात्र संदेशवाहक न मानकर उसके प्रति खूब आदर सत्कार का व्यवहार • पेट भर भोजन खिलाना • राह – खर्च की राशि भी देना • विश्वासपात्र • गाँव वालों की उसके प्रति अवधारणा –पेटू, कामचोर, निठल्ला व औरतों का गुलाम (क)• तदात्मीयता/ समानुभूति के कारण • परदुखकातरता का भाव • भावुकता और संवेदनशीलता • कुछ न कर पाने का अपराधबोध • बड़ी बहुरिया के वैभवपूर्ण अतीत की स्मृतियाँ (ख)• विद्यालय की सर्वश्रेष्ठता सिद्ध करना • विद्यार्थी का उत्कृष्ट प्रतिभा-प्रदर्शन • विद्यार्थी की प्रतिभा के माध्यम से स्वयं की योग्यता और छात्रों के साथ परिश्रम दर्शाना (ग)• बात को काँट-छाँटकर कहना • व्यंग्यात्मक तरीके से बात कहना • मनोरंजक शैली में बातचीत जैसे—" जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है" • बातचीत का ढंग उनके लेखों के ढंग से एकदम निराला	
13				**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ : 1 अंक (पाठ व लेखक का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध)	**6**

	13		**14**	व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ –दूसरा देवदास लेखिका--ममता कालिया	
		13		(क) पाठ –दूसरा देवदास लेखिका --ममता कालिया **अथवा** (ख) पाठ—गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात लेखक –भीष्म साहनी	
14	**14**		**13**	**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• अंधे भिखारी द्वारा धन-संचय करना, पाप-संचय से कम अपमान की बात नहीं • भिखारी के पास धन होने की बात प्रकट होने पर भीख मिलने की सम्भावना न होना • भिखारी के पास धन होना लज्जा की बात **अथवा** (ख) (2+1) • गाँव में घास-पात से भरे मेड़ों पर, मैदानों में, तालाब के भीटों पर नाना प्रकार के साँप मिलना • कुछ साँप विषैले तो कुछ विषहीन • दो मुँहा साँप का होना **अंधविश्वास** – • साँपों का जातिगत विभाजन • डोंड़हा जाति के साँप को वामन जाति का मानने के कारण न मारना	**3**

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>14</td>
<td></td>
<td>
धामिन विषहीन लेकिन इस जाति के साँप के मुँह से कुश पकड़कर पूँछ से मारने पर अंग का सड़ जाना
(क) (2+1)

गाँव में घास-पात से भरे मेड़ों पर, मैदानों में, तालाब के भीटों पर नाना प्रकार के साँप मिलना
कुछ साँप विषैले तो कुछ विषहीन
दो मुँहा साँप का होना

अंधविश्वास –

साँपों का जातिगत विभाजन
डोंड़हा जाति के साँप को वामन जाति का मानने के कारण न मारना
धामिन विषहीन लेकिन इस जाति के साँप के मुँह से कुश पकड़कर पूँछ से मारने पर अंग का सड़ जाना

अथवा
(ख)

अंधे भिखारी द्वारा धन-संचय करना, पाप-संचय से कम अपमान की बात नहीं
भिखारी के पास धन होने की बात प्रकट होने पर भीख मिलने की सम्भावना न होना
भिखारी के पास धन होना लज्जा की बात

</td>
<td></td>
</tr>
</table>